

समता हिन्दी

मासिक



वर्ष ४, अंक-११

"हिन्दी प्रेमियों की श्रेष्ठ पत्रिका"

नवंबर - २०१०

गौरवनीय संपादक
डॉ. एस.एस. बाबु

ॐ खल्ले खल्ले

संपादक
एस. चन्द्रशेखर

ॐ खल्ले खल्ले

संयुक्त संपादक
एम. अनिलकुमार

ॐ खल्ले खल्ले

कार्यालय

भारतीय समता हिन्दी प्रचार परिषद

सेंट्रल आफीस, गुणदला, विजयवाडा-५२० ००४

फोन : ०८६६-२४५९६९९

फैक्स : २४३९६९६

samatahindi@yahoo.com

ॐ खल्ले खल्ले

सहयोग राशी

वार्षिक : ९०० रुपये

विदेश में

एक अंक-ढाई यू.एस.डॉलर (US\$2.5)

वार्षिक-पचीस यू.एस.डॉलर (US\$25)

ॐ खल्ले खल्ले

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी चन्द्रशेखर

द्वारा सेंट्रल आफीस, गुणदला,

विजयवाडा-५२००४ से प्रकाशित एवं

शांति प्रिंटर्स और पब्लिपर्स गुणदला,

विजयवाडा - ४ द्वारा मुद्रित

ॐ खल्ले खल्ले

समता हिन्दी में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार

एवं दृष्टिकोण संवंधित लेखक के हैं।

संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे

सहमत होना आवश्यक नहीं है।

विश्वास का फल

पूजा का एक और बड़ा महत्त्वपूर्ण गुण है और वह है विश्वास। जिस व्यक्ति या देवता की हम पूजा करते हैं, उसके प्रति हमारे मन में दृढ़ विश्वास होता है कि वह देवता हमें अवश्य ही मनोवांछित फल देकर संतुष्ट करेगा। हमारे कर्त्ता का समुचित लाभ देगा। कर्म के प्रति विश्वास कि यह भावना ही कर्म को पूजा की श्रेणी में रख देती है। हम जैसा भी कर्म करते हैं, हमें उसका वैसा ही फल मिलता है। कर्म में विशेष सहायक होती है। विशेष परिस्थितियों में घटने वाले कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाए, तो अधिकांश कर्मों का फल उनके प्रति हमारी भावना और हमारी कर्म शक्ति के अनुरूप अवश्य ही मिलता है। ऐसा नहीं हो सकता कि हम पूरी सजगता, पूरी रुचि, और पूरी क्षमता से किसी कार्य को करें और उसका फल हमें प्राप्त नहीं हो। यदि हमें मनोवांछित फल प्राप्त नहीं हो रहा है, तो उसका एकमात्र कारण है कि जो फल हम पाना चाहते हैं उसके लिए जिस प्रकार के कर्म कि आवश्यकता हैं। उस कर्म में कहीं कोई तृटि अवश्य रह गई है। ऐसी स्थिति में हमें अपने कर्म का मूल्यांकन करना चाहिए और उस कर्म को खोज निकालना चाहिए। उसे दूर करना चाहिए, हमें समुचित फल अवश्य ही प्राप्त होगा।

**सभी प्रधानाध्यापक व शिक्षक महाशयों को
समता परिवार कि तरफ से
दीवाली की शुभकामनाएँ समर्पित हैं।**

हम हैं आपके
समता हिन्दी परिवार

संपादक

एस. चन्द्र शेखर

परीक्षा विवरण

❖ राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा ❖

समता हिन्दी प्रचार विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा कार्यक्रम जीवनोपयोगी एवं अत्यन्त लाभदायक है। इस परीक्षा में निम्न कोटि के लोग भाग ले सकते हैं और उससे लाभान्वित हो सकते हैं।

9. कक्षा पाँचवी से दसवीं तक अध्ययनरत सभी छात्र राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा में भाग ले सकते हैं।
2. राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा में सम्पादित सभी प्रतिभागियों व अभ्यर्थियों को विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया जायेगा।
3. स्कूल-स्तर पर प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले परिक्षार्थी को विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया जायेगा।
4. प्रतिवर्ष जनवरी महीने में राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा आयोजित की जाती है।
5. हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है। हिन्दी प्रत्येक प्रतिभागी छात्र को आधार प्रदान कर उसके विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा में सम्पादित विद्यार्थी मुख्य रूप से हिन्दी में अपनी प्रतिभा का संबर्द्धन कर सकते हैं।

परीक्षा का नाम : राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा

परीक्षा : जनवरी २०११

परीक्षा समय : ९-०० से १०-००

पाठ्यक्रम : कक्षा की हिन्दी पुस्तक

परीक्षा फीस : ४०/- रुपये मात्र

परीक्षा केन्द्र : हॉल टिकट में निर्देशित

विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क

परीक्षा सचिव,

समता हिन्दी प्रचार विभाग, गुणदला, विजयवाडा-५२० ००४
0866-2451611, 9848352011, 9885645639

मुफ्त में किताबों कैसे प्राप्त करें...

आप अपने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा में बिठाना चाहते हैं तो अपने स्कूल के प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थि से चालीस रुपये वसूल करके कुल १०० विद्यार्थि के लिए आप पाँच सौ रुपये लेकर बाकी तीन हजार पाँच सौ रुपये समता हिन्दी प्रचार विभाग विजयवाडा के नाम पर डि.डि. पहुँचते ही आपके नाम पर किताबें पहुँचा दी जाएंगी। या परीक्षा शुल्क की राशि आन्द्रा बैंक online A/c में deposit कर सकते हैं।

डि.डि. के पीछे प्रत्येक हिन्दी टीचर अपना पूरा पता वा स्कूल का नाम और कक्षा सहित (**Nominal Roll List**) के साथ प्रधान कार्यालय समता हिन्दी प्रचार विभाग, विजयवाडा-५२० ००४ के नाम पोस्ट करना है।

राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा का निर्वाहण :

NHT Exam के लिए अपने स्कूल में ही परीक्षा केन्द्र दिया जाएगा। परीक्षा के दिन हमारी संस्था के तरफ से एक आकर परीक्षा का संचालन करते हैं। **NHT परीक्षा समाप्त होने के बाद "SAMATA HINDI PRACHAR VIBHAG, GUNADALA, VIJAYAWADA - 520 004 : Ph : 2451611, के नाम ... भेजना चाहिए।**

NHT MODEL PAPER

सातवीं कक्षा से दसवीं कक्षा तक राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा के प्रश्न पत्र सौ अंकों का पेपर होगा। सारे प्रश्न **MULTIPLE CHOICE QUESTIONS** में होंगे। OMR (Optical Mark recognition) में मार्क करना है। उदाहरण के लिए सातवीं और दसवीं कक्षा के कुछ प्रश्न दिये जाते हैं... उदाहरण :

1 2 ● 4

राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा-२०११

(National Hindi Test - 2011)

KARNATAKA, TAMILNADU, KERALA & MAHARASHTRA

कर्णाटका, तमिलनाडु, केरला और महाराष्ट्र के सभी परीक्षार्थियों के लिए सौ अंक में निर्देशित प्रश्न पत्र दिया जाएगा।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग-HINDI SAHITYA SAMMELAN

Send 5 Students
and get
Attractive Gift



It's our duty to
honour the
teacher

प्रथमा S.S.C.

PRATHAMA

Eligible for Central & State Govt. Jobs

ELIGIBILITY :

Those who completed 14 years

उत्तमा साहित्य रत्ना (Hindi M.A.)

UTTAMA SAHITYA RATNA

Eligible for Jr.Lecturers

ELIGIBILITY : Intermediate or

Madhyama Visharada or Equalent Degree

मध्यमा विशारद Hindi B.A.

MADHYAMA VISHARAD

Eligible for L.P.Set & D.S.C.

ELIGIBILITY: S.S.C. Pass or

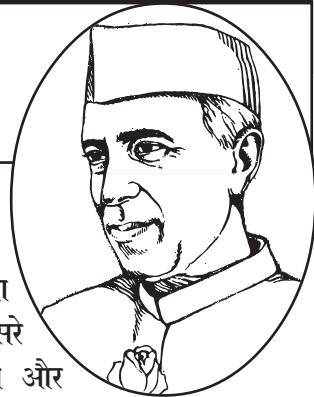
Prathama Pass, Equal Degree

For Further Information

098483 52011

0866 - 2451611

आधुनिक भारत के निर्माता पं. जवाहर लाल नेहरू



पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्म इलाहाबाद में 14 नवम्बर, 1889 को हुआ था। वह पं. मोतीलाल और स्वरूप रानी के इकलौते पुत्र थे। 19 से 23 वर्ष तक जवाहर लाल ने इंग्लैंड में हैरो, कैम्ब्रिज और इनर टेम्पल में अध्ययन किया और सन् 1912 में भारत वापस आए।

पं. जवाहर लाल नेहरू स्वतन्त्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने और सत्रह वर्ष के लम्बे अर्से तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। पं. नेहरू को आधुनिक भारत का निर्माता कहा जाता है। उन्होंने भारत को लोकतन्त्र के मार्ग पर अग्रसर किया और इसकी विभिन्न संस्थाओं, जैसे संसद, बहुदलीय प्रणाली, स्वतन्त्र न्यायपालिका और स्वतन्त्र प्रेस को सुट्ट बनाया। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं को भी बढ़ावा दिया।

एक महान राजनेता की अन्तर्दृष्टि से उन्होंने योजना आयोग और राष्ट्रीय विज्ञान प्रयोगशालाओं आदि की स्थापना करायी। उन्होंने सन् 1947 में दिल्ली में आयोजित विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन का उद्घाटन करते हुए कहा था - हमें भारत के लोगों के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, तालीम और सेहत वर्गरह का इंतजाम करना है। ये ऐसी बुनियादी जरूरतें हैं, जो हर इंसान के पास होनी चाहिए। इसलिए विज्ञान को इन करोड़ों भारतवासियों के बारे में सोचना चाहिए, काम करना चाहिए, जो इन बुनियादी जरूरतों से महसूम हैं।

उन्होंने औद्योगिक विकास के लिए विशाल सार्वजनिक क्षेत्र की नींव रखी। सार्वजनिक क्षेत्र के अलावा पं. नेहरू निजी क्षेत्र को भी बढ़ावा देना चाहते थे ताकि सामाजिक न्याय पर आधारित सामाजिक व्यवस्था का निर्माण हो सके। अन्नोत्पादन के क्षेत्र देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पं. नेहरू ने पंतनगर में पहले कृषि विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया था। अब एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय सहित ४३ राज्य कृषि विश्वविद्यालय हैं। चार केन्द्रीय संस्थानों को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है। पाँच राष्ट्रीय आनुवंशिक संशाधन ब्यूरो भी स्थापित किये गये हैं।

नेहरू जी ने विश्व समुदाय में भारत की भूमिका को लेकर देश का स्पष्ट निर्देशन किया और गुटनिरपेक्षता तथा शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के लिए उन्होंने चीन के प्रधानमंत्री चाउ-एन-लाई के साथ मिलकर पाँच नीतिपरंक सिद्धान्तों को निरूपित किया जिन्हें पंचशील का नाम दिया गया। पंचशील के पाँच सिद्धान्त इस प्रकार हैं (१) दूसरे राष्ट्रों की स्वतन्त्रता और सम्प्रभुता का

आदर करना, (२) अनाक्रमण (३) दूसरे राष्ट्रों के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना (४) व्यापार एवं सम्बन्धों में दूसरे राष्ट्र के साथ पारस्परिक लाभ और

समानता की नीति रखना (५) शांतिपूर्ण सह अस्तित्व। जिस समय उन्होंने ये सिद्धान्त प्रतिपादित किये उस समय दुनिया बड़े कठिन दौर से गुजर रही थी। शीत युद्ध के कारण विश्व के देशों में प्रतिद्वन्द्विता से मानवता पर संकट के बादल मँडरा रहे थे।

पं. नेहरू का विचार था कि लोगों के जीवन स्तर में सुधार और उन्हें गरीबी, अन्धविश्वास और अज्ञानता की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए विज्ञान और टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए तथा औद्योगीकरण का मार्ग अपनाना चाहिए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा था, यह केवल विज्ञान है जो भूख और गरीबी, गंदगी, और निरक्षरता, अन्धविश्वास तथा रीति रिवाज एवं परंपरा के पतन, प्रचुर संसाधनों के व्यर्थ जाने या तरसते निर्धनों द्वारा बसाये गये एक सम्पन्न देश की समस्याओं को सुलझा सकता है। क्या आज हम विज्ञान का तिरस्कार वहन कर सकते हैं? हमें प्रत्येक मोड़ पर इसकी मदद भी लेनी पड़ती है। भविष्य विज्ञान का और उनका है जो विज्ञान को अपनाते हैं।

उनके अनुसार आन्तरिक स्वतन्त्रता और निर्भयता जैसे गुणों के विकास के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। नेहरू जी ने ही इस बात पर जोर दिया कि अगर विश्व को कायम रखना है तो उसे एक विश्व के रूप में रहना होगा। वह बड़े उदार और, एक उदात्त विचारों वाले नेता थे। उन्होंने 'डिस्कवरी आफ इण्डिया' नामक पुस्तक लिखी। उनके लेखन में भावनात्मक संवेदनशीलता और जबरदस्त बौद्धिकता दिखाई देती हैं। जिसकी वजह से वे आज भी प्रासंगिक हैं। सन् १९५५ में नेहरू जी को भारत सर्व से सम्मानित किया गया।

पं. नेहरू बच्चों को बड़ा प्यार करते थे और इसीलिए बच्चे भी उन्हें प्रेम से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। उनकी जयंती बाल दिवस के रूप में मनायी जाती है। नेहरू जी का मानना था कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। १९६४ में नेहरू जी का देहांत हो गया।

★★★★★

देवनागरी लिपि के गुण : वैज्ञानिकता

जिन गुणों ने देवनागरी को वैज्ञानिक होने का गौरव प्रदान किया वे रोमन तथा उर्दू की तुलना में निम्न हैं।

1) यह भाषा के अन्तर्गत आनेवाले अधिक से अधिक ध्वनि चिन्हों से सम्पन्न हैं।

2) इसमें स्वरों व्यंजनों का अलग अलग वर्गीकरण है। अरबी अथवा यूरोपीय लिपियों की तरह दोनों मिला जुलाकर (अलिफ, बे, पे, लाम, ए, बी, सी, डी, ई) नहीं दिये गये हैं। स्तरों में हस्य दीर्घ के जोड़े (अ-आ, इ-ई) साथ साथ हैं। प्रारम्भ में मूल स्वर (अ-आ, इ-ई) हैं और उनके बाद संयुक्त स्वर (ए, ऐ, ओ, औ) हैं। व्यंजन विशेष स्पर्श एवं आनुनासिका विभाजन तो और भी वैज्ञानिक हैं। क, च, ट, त, प के वर्ग स्थान पर आधारित हैं, और हर वर्ग के व्यंजन धोषत्व के आधार पर दो प्रकार के हैं : प्रथम दो अधोष तथा अंतिम तीन धोष। इसके साथ ही इनके वर्गीकरण या विभाजन में प्राणत्व का भी ध्यान रखा गया है। पहले, तीसरे और पांचवें अल्पप्राण हैं तथा इसके छौथे महाप्राण। अनुनासिक व्यंजन वर्गों के अन्त में हैं।

3) नागरी में जो लिपि चिह्न जिस ध्वनि का घोतक है उसका नाम भी वही है, जैसे - अ, औ, क, च, प आदि। अंग्रेजी (एक्स, जेड, डब्ल्यू) तथा उर्दू (डाल, दुचशमी हे) में ऐसा नहीं है।

4) इसमें एक ध्वनि के लिए एक चिह्न है। उर्दू में से ध्वनि के लिए से, स्वाद, सीनः ज के लिए - जेल, जाल, जोय, ज्वाद, ज्वे चिह्न हैं। इसी प्रकार रोमन लिपि में क ध्वनि के लिए K, C, Ch, Q आदि हैं।

5) लिपि चिह्नों की पर्याप्तता की दृष्टि से नागरी बड़ी सम्पन्न है। उर्दू में ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, ढे, ड, थ, ध, फ, भ आदि के लिये चिन्ह वह हैं, दुचशमीरहे जोड़कर काम चलाते हैं। इसी अपर्याप्तता के कारण मोहन अजमेर गए को उर्दू में मोहन आज मर गये भी पढ़ा जा सकता है। रोमन में Agradas को अग्रादास और आग्रादास दोनों पढ़ा जा सकता है। वस्तुतः अंग्रेजी में ध्वनियाँ तो चालीस से ऊपर हैं, किन्तु केवल २६ लिपि चिन्हों से काम चलाना पड़ता है। हिन्दी के हस्य ए और हस्य ओ के लिपि चिन्ह की अवश्य कमी हैं, किन्तु नये लिपि चिन्हों द्वारा विद्वानों ने इस कमी को पूरा कर दिया।

6) हस्य व दीर्घ स्वर के लिये नागरी में स्वतन्त्र चिन्ह हैं जब कि उर्दू और रोमन में नहीं। उर्दू में जबर, जेर, पेश की व्यवस्था है तो रोमन में ए अ- आ का तथा यू अ, उ, ऊ का घोतक है।



7) उच्चारण की दृष्टि से समान लिपि चिन्हों की आकृति में भी देवनागरी में समानता मिलती है, जैसे ट-ठ-ड-ड़-ढ। रोमन तथा उर्दू में यह गुण प्रायः नहीं के बराबर हैं।

8) इसमें जो लिखा जाता है वही पढ़ा जाता है और जो बोला जाता है वही लिखा जाता है।

9) यह देश के एक बहुत बड़े क्षेत्र में प्रयुक्त होती है। हिन्दी के अदिरिक्त मराठी तथा यत्किंचित भेद के साथ बंगाली, उड़िया, असमी, गुजराती आदि में भी इसी का प्रयोग होता है। ब्राह्मी के उत्तराधिकारिणी होनेके कारण समस्त आधुनिक भारतीय लिपियों से इसका यत्किंचित साम्य है।

10) इसका वर्तमान स्वरूप युगों के प्रयोग पर आधारित है, इस कारण इसे दीर्घ परम्परा का बल प्राप्त है।

11) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रांश का समस्त वाङ्मय इसी लिपि में है। अहिंदी राजभाषी भी चाहे हिन्दी से अनभिज्ञ रहें, किन्तु संस्कृत के माध्यम से देवनागरी आदि से अधिकांश लोग परिचित रहते हैं। भारत की सांस्कृतिक एकता में देवनागरी का भारी योगदा हो सकता है और है।

12) भारत की दक्षिणी भाषाओं में वर्णमाला का क्रम भी देवनागरी से मिलता जुलता है। कश्मीर की शारदा लिपि से लेकर दक्षिण की तमिल लिपि तक सभी के वर्णों में समानता देखी जा सकती है।

13) थोड़ा बहुत परिवर्तन कर देने पर संसार की कोई भी भाषा इसके माध्यम से सफलतापूर्वक लिखी जा सकती है।

14) इसके वर्णों में रोमन वर्णों के समान छोटे बड़े (कैपिटल और स्माल) वर्णों के अलग अलग रूपों की उलझन नहीं हैं।

इन विशेषताओं के कारण देवनागरी लिपि अत्यधिक वैज्ञानिक, सरल और देश की सांस्कृतिक परम्परा के अनुकूल हैं।

★★★★★

शब्द भण्डार

(ग्रन्थ संखेके शब्दोंमें)

इनके साथ ही वेद के कुछ शब्द वर्गीकृत कर के नीचे दिये जा रहे हैं, इनको भी ध्यान में रख लीजिए।

एक, द्वौ, त्रयः, पञ्च, सप्त, दश, पञ्चदश, शत, सहस्र, अयुत, नियुत, नवम, दशम, प्रयुत, अर्बुद, न्यर्बुद, समुद्र...

वायु, अग्नि, धूम्र, वर्षा, निद्युत्, पवन

सूर्य, चन्द्रमा, तारक, पृथिवी, क्षेत्र, आकाश, नक्षत्र, गिरि, नदी, धारा, गृहा, अन्तरिक्ष, समुद्रः

दिन, रात्रि, दिवस, सायं, प्रातः, उषा, ऊषा, मुहूर्त, ऋतु, मास, पक्ष, बेलाः अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगाशिरा, आर्द्धा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विसाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूला, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवणा, धनिष्ठा, शत्रभिषा, पूर्वा भाद्रपदा, उत्तरा भाद्रपदा, रेवती, अभिजित :

बसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमन्त शिशिर :

दुग्ध, दधि, मधु, धृत, रस, सुरा, क्षीर, पुष्प, फल, ओषधि, अन्न, यव, गोधूम :

वर्ण, गोत्र, जाति :

सुवर्ण, रजत, रत्न :

कृषि, क्षेत्र, दर्भ हल, चक्र, रथ :

जीवन, मृत्यु :

धर्म, जप, तप, मन्त्र, यज्ञ, कर्म, सुख, दुख, पाप, पुण्य, दान, दया, ज्ञान, विज्ञान, उपासना, श्रद्धा, प्रज्ञा, ध्यान, धारणा, समाधि, शान्ति :

पसु, गौ, गर्दभ, गोमृग, उष्ट्र धेनुः

पक्षी, क्रौञ्च, श्येन :

कूर्म, सर्प, पिपीलिका:

शर्मी, खदिर :

पात्र, कलश, चित्र, पंक्ति :

पिता, माता, भ्राता, पुत्र, वधु, अतिथि, आचार्य, गुरु, पति, पत्नी, बाल, कुमार, किशोर युवा, तरुण, वृद्धः

सप्राद, राजा, मन्त्री, पुरोहित, परिषद्, सेना, प्रजा, प्रजापति, मानव, मनुष्य, पुरुष, स्त्री, मित्र, शत्रु, दाता:

रथकार, मालाकार, मणिकार, गोपा, अबिपाल, अजपाल, नाविकः वाणिक, भिषक, कुम्भकार, लोहकार, मणक, अनुचरः

हृदय, हस्त, चरण, शिर, पाद, मुख, जिह्वा, अंगुलि, ग्रीवा, इन्दिय, कर्ण, नेत्र, चक्षु, वाक्, त्वचा, अंग, शरीर

रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, अशुः

मन, प्राण, बुद्धि, चित्त :

मद, अहंकार, क्रोध, काम औज, सत्य, ज्योति, विद्या, वीर्य, रूप, रस, गन्ध स्पर्श, स्वाद, शब्द :

ऋद्धि, सिद्धिः

पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिणः

गम्भीर, घोर, क्रूर, साधु, सम, समान, ज्येष्ठ, प्रत्यक्ष, चारु, भीरु, पक्ष, पूर्व, सव, कपिल, नूतन, नव, प्रिय, सनातन, नित्यः जन्म, वर्धन, क्षय, नाशः

देवी, देवता, असुर, इन्द्र, अग्नि, विष्णु, शिव, ब्रह्मा, हर, हरि, रुद्र, ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र इत्याति ।

वेद में इस प्रकार के हजारों शब्द हैं जो आज अक्षुण्ण रूप में हिन्दी कम से कम साहित्यिक हिन्दी - की निधि हैं। संसार की किसी भाषा में ३-४ हजार वर्ष से चले आते हुए शब्द अविकृत रूप में इतनी बड़ी संख्या में नहीं मिलेंगे ।

बोध कथा

एक बार सात वर्षीय बालक को माँ पीट रही थी। तभी पड़ोस की महिला ने जाकर उस बालक को बचाया। पूछने पर बालक की माँ ने बताया कि यह मन्दिरों से चढ़ाती के पैसे चुराकर लाया है। तब पड़ोस की महिला ने बड़े प्यार और दुलार से बच्चे से पछा - क्यों बेटा ? तुम तो बड़े प्यारे बालक हो। चोरी तो गन्दे बच्चे करते हैं, तुमने ऐसा क्यों किया ?

महिला के बार बार पूछने पर सिसकियों के बीच से बालक बोला - माँ भी तो रोज ऊपर वाले चाचाजी के दूध में से आधा दूध निकाल लेती हैं और उतना ही पानी मिला देती हैं, और हमसे कहती है कि उन्हें मत बताना। मैंने तो आज पहली बार चोरी की हैं ।



उस स्य बालक की बात सुनकर माँ लज्जित हो गई। वास्तव में बालक जैसा व्यवहार देखता है वैसा व्यवहार करता है। बालक कर्तव्य का पहला पाठ माँ के चुम्बन से तथा पिता के दुलार से सीखता है। इसलिए कहा जाता है कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में घर का वातावरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- विमला मंगलानी, जोधपुर

Good Opportunity to Teachers

₹ 500/- to ₹ 4,000/-

All the in-service (Govt. & Private) Teachers only can apply on or before 1-11-2010.

సమతా హిందీ ప్రచార విభాగ్ గత 22 సంవాలగా హిందీ భాషా ప్రచార ప్రసారంలో తన వంతు ప్రయత్నాన్ని కొనసాగిస్తూ, ఎందరో విద్యార్థినీ, విద్యార్థులకు రాష్ట్రీయ హిందీ పరీక్షల ద్వారా ప్రోత్సాహం అందించుచున్నది. నేడు దేశంలోని 5 రాష్ట్రాలలో తన ఉనికిని చాటుచున్నది. ఈ హిందీ విజయోత్సవ ఫలాలను ప్రతి పాతశాలలోని హిందీ సజ్జనులకు అందించవలయునని విభాగ్ సత్కసంకల్పించినది.

హిందీ టీచర్లకు మరియు శిక్షక్ సజ్జనుల నుండి రీజనల్ ఆర్గానేజర్లగా అప్లికేషన్లు కోరబడుచున్నవి. హిందీ యెడల అభిమానుమున్నవారును (in-service) అప్పట్య చేసుకొనగలరు. ఉపాధ్యాయుని, ఉపాధ్యాయులు వారి వారి ఉంటోగ బాధ్యతలు నిర్వహిస్తూనే, హిందీ కార్యకలాపములందు పాల్గొను టీచర్లందరికి రీజనల్ ఆర్గానేజర్ ప్రోత్సాహక అనుదానంకు (రూ. 500/- నుండి రూ. 4000/-) ప్రతినెలా ఎంపిక చేయబడును. అప్పట్య చేయగోరు ఉపాధ్యాయులందరు వారి రెండు పాస్ట్సపోర్ట్ పైజు ఫోటోలు, మరియు పూర్తి వివరములతో ఈ క్రింది ఆర్.ఓ. ఫామ్సు పూర్తి చేసి వెంటనే మా చిరునామాకు పోస్ట్ చేయగలరు.

అప్పట్య చేసుకున్న ఉపాధ్యాయుని, ఉపాధ్యాయుల పేర్లు నవంబరు మాసపత్రికలో ముద్దించగలము.

ఇజ్యాస్టర్ చేసుకొనడిలచిన ఉపాధ్యాయులందరూ ఈ క్రింది ఫారమ్సు పూర్తి చేయుటతో పాటు, తమ పేరు, చిరునామా వివరాలను ఎస్.ఎమ్.ఎస్. ద్వారా కూడా 9440660126కు పంపకోరుచున్నాము.

All the teachers are requested to send their information through SMS and also through this below application. Cell No. : 9440660126

SAMATA HINDI PRACHAR VIBHAG

(Regd. by the Govt. of India)

Central Office Buildings, Opp. Boarding, Gunadala, VIJAYAWADA-520 004.
Ph : (0866) 2451611, 2440112 Mobile : 09848352011. e-mail : samatahindi@yahoo.com

REGIONAL HINDI OFFICER APPLICATION FORM (No.1)

Application No. _____

PLEASE FILL IN THE APPLICATION FORM COMPLETE IN BLOCK LETTERS

Teacher's Name _____

Date of Birth : _____ Ph : _____ Mobile : _____

Name (Father/Spouse) Mr./Mrs. _____

School Name _____

Regd. for the Month _____ Date _____

School Address

Residence Address

Signature of the Teacher _____



दीवाली

हमारे देश में आए दिन कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है, किन्तु मुझे दीवाली सबसे अच्छी लगती है। यह खील खिलौनों और दीपमालाओं का त्योहार है जो हमें असीम आनन्द से भर देता है। स्थान स्थान पर फुलझड़ी, पटाखे छोड़ते हुए बच्चे दिखाई पड़ते हैं, स्त्रियाँ रसोई घरों में पकवान बनाते हुए व्यस्त दिखाई देती हैं और पुरुष भी हसी खुशी की इस दौड़ में पीछे नहीं रहते।

दीवाली का शाब्दिक अर्थ है 'दीपों की कलारा'। वास्तव में यही वह त्योहार है जब कि सभी घरों के छज्जों और कंगूरों पर रंग बिरंगी रोशनियाँ जगाए गए उठती हैं। इस त्योहार की तैयारियाँ लोग महीनों पहले शुरू कर देते हैं। घरों की सफेदी की जाती है और रंग रोगन से उन्हें अकर्षक व साफ सुधरा बनाया जाता है तथा रंग बिरंगी झालरें आकाश दीप व तस्वीरों का उपयोग भी घरों की सजावट के लिए किया जाता है।

इस त्योहार की उत्पत्ति के बारे में भी लोगों के बीच एक अन्तर्कथा प्रसिद्ध है। कहते हैं कि लंकाधिपति रावण को हराकर भगवान राम इसी दिन अयोध्या लौटे थे। उनके आगमन की खुसी में लोगों ने घरों को और रास्तों को दीपमालाओं से सजाया था और प्रफुल्लता के वातावरण में अवधपति कास्वागत किया था। तभी से यह त्योहार सारे देश में मनाया जाता है।

दीवाली की रात में विशेष रूप से देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है और वायवसायिक लोग अपने बही बस्ती बदलते हैं। दीवाली के दिन से ही व्यापारी अपना नया वर्ष प्रारम्भ करते हैं।

यह त्योहार भी सारे देश के लोग मनाते हैं। कस्बों, गाँवों और शहरों के बाजारों में अधिशब्दाजी, खील, खिलौनों और मिठाइयों की दुकानें बेहत सर्जी दिखाई देती हैं और रंग बिरंगे व नये नये कपड़े पहने लोग दुकानों पर खरीददारी करने में व्यस्त रहते हैं।

गाँवों, कस्बों और शहरों में हर जगह लोगों के हुजुम इकट्ठे हो जाते हैं। बच्चों के आतिशबाजी छोड़ते समय लोग खुशियों से तालियाँ पीटते और उछल उछलकर नाचने लगते हैं।

यह त्योहार प्रति वर्ष प्रायः नवम्बर के महीने में पड़ता है।

इस त्योहार को गरीब और अमीर समान रूप से मनाते हैं। लोगों की खुशी उनको कार्यकलापों से झलक उठती है। दीवाली की रात लोग प्रायः मंदिरों में जाते हैं और भक्ति रस से सराबोर भजनों और कीर्तनों में शामिल होते हैं। प्रायः सभी मन्दिरों में देवी देवताओं की झाँकिया सजाई जाती हैं और रोशनियाँ की



The Diwali

In our country, we so often celebrate many a festival, but I like Diwali most. It is a festival of sweets and lights. It is a festival that gives us the greatest joy. We find children letting off crackers everywhere. The ladies busy themselves in preparing sweets and the menfolk too do not lag behind in making merry.

The word Diwali means 'a row of lights'. It is indeed a festival when every house-top is illuminated with lamps. The people start making preparations for this festival much earlier. They get their houses white-washed. They keep their homes tidy and clean. All the houses are decorated with coloured frills, bulbs and pictures.

There is a tale about the beginning of this festival. On this auspicious day, Lord Rama had returned to Ayodhya, after defeating Ravana, the king of Lanka. On the eve of his return, the people of the country expressed their delight and welcomed him by lighting lamps on their house-tops. Since then this festival has been continuing in the country.

On the night of Diwali, the goddess Lakshmi is worshipped. The businessmen close their accounts on Diwali night. From the Diwali Day, the businessmen start their new year.

People everywhere in the country celebrate this festival. In towns, villages and cities, the bazars are full of crackers, toys, pictures of the gods and goddesses and the sweets. People wear their best clothing and walk out into the bazars to make purchases.

Huge crowds can be witnessed on this occasion everywhere in villages, towns and cities. People rejoice when the children let off crackers. We see them dancing with joy.

This festival mostly falls in the month of November every year. The rich and poor alike celebrate this

जाती हैं। इस प्रकार हजारों लोग दीवाली की सजावट देखने के लिए मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर एकत्रित होते हैं और इस सांस्कृतिक पर्व को पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाते हैं।

बच्चे इस त्योहार पर विशेष रूप से प्रसन्न दिखाई देते हैं। बड़े चाव से वे अपने माता पिता के साथ बाजार जाते हैं और आतिशबाजी, खिलौने व मिठाईयाँ खरीदकर लाते हैं। घरों में दीपमालाएँ सजाने में भी वे अपने माता पिता की मदद करते हैं और प्रसन्नता के साथ खूब नाचते गाते हैं।

सोने चांदी के व्यापारी और बैंकर्स दीवाली का त्योहार और अधिक उत्साह से मनाते हैं वे अपने घरों, दूकानों व कार्यालयों में हवन का आयोजन करते हैं। वे अपने निकट सम्पर्क के लोगों के यहाँ मिठाई के डिब्बे भिजवाते हैं।

दीवाली के अवसर पर मंदिरों की सजावट अद्भुत रूप से दर्शनीय होती हैं। बिजली के हजारों बल्बों की रोशनी से आस पास का वातावरण तक जगमगा उठता हैं और स्वर्णाय वातावरण सजीव हो उठता हैं। मुझे एक बार अमृतसर का स्वर्णमन्दिर देखने का मौका मिला था। वह रंग बिरंगी रोशनियों से बेहद सजा हुआ था और ऐसा लगता था, मानो एक छोटा सा स्वर्ण धरती पर उत्तराया हो। हजारों लोगों की भीड़ स्वर्ण मन्दिर देखने के लिए वहाँ एकत्र थी। बिजली के बल्बों की प्रतिच्छाया पवित्र सरोवर के जल में झिलमिला रही थी और एक अत्यन्त दर्शनीय हश्य की सृष्टि कर रही थी।

दीवाली के पर्व का एक आध्यात्मिक महत्व भी हैं। इसी दिन भगवान महावीर को निर्वाण की प्राप्ति हुई थी। स्वामी रामतीर्थ ने इसी दिन गंगा में जल समाधि ली थी और स्वामी दयानन्द का स्वर्गवास भी इसी दिन हुआ था।

इस प्रकार इस त्योहार को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक हैं। विदेशों में बसे भारतीय प्रवासी भी इस त्योहार को मनाते हैं।

कुछ लोग दीवाली की रात्रि में जुआ भी खेलते हैं। यह एक बुरी आदत है, हमें चाहिए कि दीवाली की रात्रि में हम प्रत्येक वर्ष यह संकल्प लें कि निरन्तर अच्छाइयों की ओर अग्रसर होंगे।

Good News to All the Teachers!

All the teachers of Primary, Upper Primary and High School are requested to kindly send their "Prothsahak Anudaan Application" (See page no. 9) Form" on or before 1st November, 2010 you would be sent Central Application Forms & Booklets as and when we receive your "Regional Hindi Officer's Application". We hope and pray that you would co-operate with us now and in the days to follow.

Congratulations to Regional Hindi Officers (R.H.O.)

Krishna District : 1) Jilani Shaik, Gudavalli 2) Shaik Silar Shareef, Vatsavai, 3) Rameshbabu Darsi, Gudivada, 4) G. Sivarama Krishna Prasad, Jaggaipet, 5) K. Siva Prasad, Gannavaram, 6) Rajesh Reddy, Vijayawada.

Guntur District : 1) B. Narayananamma, Tadikonda, 2) S. Padma Rayudu, Ponnuru, 3) B. Ravi Kumar, Narasaraopet.

Prakasam District : 1) M. Chand, Komarole, 2) Sk.Nanne Meeravali, Kondapi, 3) P. Srikanth Kumar, K.Uppalapadu, 4) Tirupalaiah B., Pamuru, 5) Ch. Lingaiah, Kanigiri, 6) S.K.M. Subhani.

Chittoor District : 1) T. Sadiq Ali, Madanapalli, 2) Sk. Khadar Basha, Chittoor, 3) S.Governor Saheb, Bangarupalem, 4) D. Naseebunnisa, Chittoor

Kadapa District: 1) V.Rajendra Babu, Gorancheruvu,
2) Y. Vijayaratnam, Kadapa.

Anantapur District : 1) Sesham Aruna, Anantapur

Kurnool District : 1) V. Rajendra Lal, Tarigoppula

Mahabubnagar District : 1) Srisailam, M.B.Nagar,

2) M.D. Mahabub Pasha, Telkapalli, 3) S. Mallesh, Narsapur, Medak District.

E.G. Dist : 1) P.Nagachandra Geetha, Pithapuram,
2) E.V.V. Brahmaji 3) P.Sivasankaram, Tondangi

W.G. Dist : 1) S.H.M.V. Ramacharyulu, Bhimavaram

Vizag Dist : 1) V. Jogaiah, Narsipatnam, 2) A.S.N. Gandhi, Narsipatnam, 3) V. Venkata Hymavathi, Gajapathinagaram, 4) A.Venkata Ramam, Vizag

Vizianagaram Dist : 1) S. Sivaprasad, V.Nagaram,
2) Y. Sankar Rao, Vasundhara

Srikakulam Dist : 1) K. Tejeswara Rao, Polaki, 2)
Y. Sankar Rao, Srikakulam, 3) K.Nagamani.

Karimnagar Dist : 1) Imran Khan, Jagityal, 2) Sampath Kumar, V.Sydapura, 3) K.Manohar, Siricilla, 4) M. Naresh, Dharmapuri, 5) G.Anantareddy, Dundarapalli, 6) Md.

R.R. Dist : 1) Pandu, Gompalli, 2) S.V.S.Gupta, Hyd

Warangal Dist : 1) A. Balaram, Warangal.

Adilabad Dist : 1) M.Bhadraiah, Adilabad.

**All the Districts of KARNATAKA
R.H.O.'s list will be print in Samata
Hindi December Magazine.**

All the interested Teachers are requested to register their name as R.H.O. please fill the form Page No. 8, and send in to Central Office, VJA.

सभी हिन्दी अध्यापकों का सहकार अपेक्षित है

“హిందీ ఉపాధ్యాయున్ ఉపాధ్యాయులకు మనవి”

Request to the Hindi Teachers

22 సం॥ల నుదీర్ఘ హిందీ భాషా ప్రచార ప్రయత్నంలో టీచర్స్‌కు ప్రత్యేకముగా మనవి చేయుచున్నాము. Hindi Workbook & Study Material books లేకుండా National Hindi Test (NHI)కు పరీక్షార్ధులను హజరు పరచుటకు కేవలము 25/-రూ॥లు వసూలు చేసి అందునుండి 10/- రూ॥లు లెన్ చేసి కేవలం 15 రూ॥లు మాత్రమే పరీక్ష ఫీజులను Samata Hindi Prachar Vibhag, VJA పేర డి.ఎస్. తీసి పంపగలరు. పరీక్షార్ధుల పేర్లను ప్రాయుటకు జ్లలై పత్రిక నందు Nominal Roll List Print చేయబడును. కావున ఈ Nominal Rolls List నందు పరీక్షార్ధుల పేర్లను వారి తండ్రి పేరు మరియు వారి కాసును పూరించి డి.ఎస్.తో పాటుగా ఈ క్రింది అడుస్తున్న పేస్ట్ చేయగలరు.

- | | | |
|--------------------|--|--------|
| 1. పరీక్ష పేరు | : రాష్ట్రీయ హిందీ పరీక్ష 2011 | రిజల్ |
| 2. పరీక్ష తేది | : జనవరి 9, 2011 | www |
| 3. అర్థాత | : 5వ తరగతి నుండి 10వ తరగతి వరకు | E-mail |
| 4. సిలబస్ | : ఆంధ్రప్రదేశ్ ప్సెట్ హిందీ షెక్స్ బుక్ (VI-X) | |
| 5. పరీక్షఫేజు | : రూ. 25/- (హిందీ పర్కు బుక్ & స్టడీ మెటీరియల్ బుక్ లేకుండా) | |
| 6. పరీక్ష కేంద్రము | : మీ పారశాల | |

**రిజిస్ట్రేషన్ మరియు ఇతర వివరములకు :
www.samatahindi.webnode.com
E-mail : samatahindi@gmail.com**

Last Date :
20th December, 2010



CURRENT AFFAIRS

పిల్లల భావి జీవితానికి మార్గదర్శకులై నిలవండి

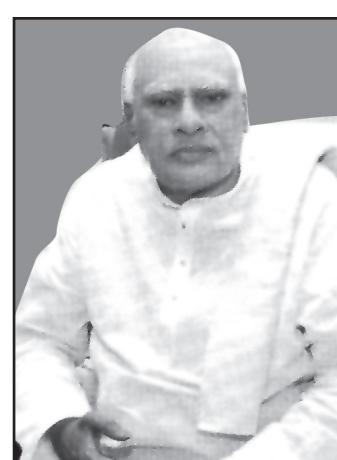
- ఉపాధ్యాయులకు రాష్ట్రపతి పిలుపు -

విద్యార్థుల సర్వతోముఖాభివృద్ధికి ఉపాధ్యాయులు మరింత శ్రద్ధ వహించాలని, చిన్నారులను బాధ్యతాయుతమైన పారులుగా తీర్చిదిద్దేందుకు కృషి చేయాలని రాష్ట్రపతి ప్రతిభా పాటిల్ పిలుపునిచ్చారు. ఉపాధ్యాయు దినోస్వపనం సందర్శంగా న్యాధిలీలో ఉత్తమ ఉపాధ్యాయులకు జాతీయ పురస్కారాలు అందజేశారు. ఈ సందర్శంగా ఆమె మాట్లాడుతూ విద్యా హక్కు చట్టం ద్వారా ఉపాధ్యాయుల బాధ్యత పెరిగిందన్నారు. విద్యాహక్కు చట్టం ద్వారా పారుల యాజమాన్య కమిటీల్లో ఉపాధ్యాయుల భాగస్వామ్యం పెరిగిందన్నారు.

విద్యార్థులకు కేవలం గురువులుగానే కాకుండా వారి భావి జీవిత నిర్మాణానికి తగిన విధంగా మంచి సలహాదారుగా, స్నేహితునిగా, మార్గదర్శిగానూ ఉండాలని అన్నారు. గ్రామీణ ప్రాంతాలల్లోనే పారులల్లో పనిచేసే ఉపాధ్యాయులు విద్యార్థుల పట్ల ప్రత్యేక శ్రద్ధ వహించాలన్నారు.

విద్యాసంస్కర్లో ర్యాగింగ్ సంస్కృతి పెరిగిపోతుండడం వల్ల ప్రతిభాపాటిల్ అందోళన వ్యక్తం చేశారు. ర్యాగింగ్ ను నిరోధించేందుకు పారులలు, కళాశాలల్లో పటిష్ట చర్యలు తీసుకోవాలని సూచించారు. బడిలోను, బడి బయటా ఉపాధ్యాయులు తమ శక్తి సామర్థ్యాలను సంపూర్ణంగా వినియోగించి పిల్లల అభ్యస్తుతికి తమ వంతు కీలక పాత్రను పోషించాలన్నారు.

మహిళా ఉపాధ్యాయుల సమస్యల పరిష్కారంపై దృష్టి పెట్టాలని సూచించారు. విద్యాహక్కు చట్టం ద్వారా పారులల యాజమాన్య కమిటీల్లో ఉపాధ్యాయుల భాగస్వామ్యం పెరిగిందన్నారు. సిసిజి పటిష్టంగా అమలుచేయడానికి పరీక్ష నిర్వహణావిధానంలో సంస్కరణలు చేపట్టాల్సిన ఉండని అన్నారు.



అకుంత బీక్షతో కలసి
పనిచేద్దాం.
“అతి నిరుపేదకు సైతం
ప్రగతి ఫలాన్ని
అంబించేదే నిజమైన
స్వరాజ్యం” అన్న
మహాత్మగాంధీ
నిర్వచనాన్ని నిజం చేద్దాం.

మీ...
కె. రావు
అంద్రప్రదేశ్ ముఖ్యమంత్రి

జాతీయ పురస్కారాలకు ఎంపికైన 16 మంది ఉపాధ్యాయులు

ప్రాధమిక పారులల నుంచి ఎంపికైన వారిలో ఎం.రూపవతి (విజయనగరం జిల్లా, నెల్లిమర్ల మండలం), ఎం.నాగేంద్రరావు (కృష్ణాజిల్లా, గుడ్లపల్లెరు), రంగనాయకులు (అనంతపురం జిల్లా, వక్రకరూరు), ఇ.గీత (చిత్తూరు జిల్లా, నారాయణవరం), బిక్కి అనరుద్రరెడ్డి (రంగారెడ్డిజిల్లా, హయత్నగర్), కాటుకూరి చంద్రారెడ్డి (నల్గొండజిల్లా, పెన్నపట్టం), కలికి అప్పలనాయడు (విజయనగరం జిల్లా, బొబ్బిలి), ఏలూరు ధనసలక్కి (విశాఖపట్టం జిల్లా, గాజువాక), ఏలుగుల వేళగోపాలరావు (గోపవరం), కుద్దుతిరుమల రావు (ల్కీకుళం జిల్లా, వీరఘటం) ఉన్నారు. పారులల నుండి ఎంపికైన వారిలో జి. రామ్యాహన్రావ్ (ప్రధానోపాధ్యాయుడు, ల్కీకుళం జిల్లా, సీతంపేట), ఎం.శివరామప్రసాద్ (కృష్ణాజిల్లా, చల్లపల్లి), ఎరమల గోపినాథరెడ్డి (కడపజిల్లా, రాజుపాలెం) వేజెక్క ఉమామహేశ్వరరావు (గుంటూరు జిల్లా, తెనాలి), దాటు కిష్టు (పొచ్చం, అదిలాబాద్ మండలం), బి.విజయులక్కి (వికాంత పొచ్చం, కరీంనగర్ జిల్లా, పెద్దపల్లి మండలం) ఉన్నారు.

పిల్లలకు విలువలు బోధించండి - గవర్నర్

పిల్లలను గారాబం చేస్తూ కోరినవన్నీ కొనిప్పుడం కాకుండా వారికి చిన్నపుటి నుంచే విలువలు బోధించి వారిని మంచి దారిలో పెట్టడానికి తల్లిదండ్రులు బాధ్యత తీసుకోవాలని గవర్నర్ నరసింహన్ అన్నారు. ఇటీవల శ్రీ సత్యసాయి నిగమాగమంలో మనిషిలో పరిపూర్ణ మానవీయ విలువ సత్యసాయి మార్గం అనే అంశం పై చర్చ జరిగింది. ఇందులో గవర్నర్ ముఖ్యాంతిథిగా కీలకోపన్యాసం చేశారు. విలువలు పెద్ద వయసులో వచ్చేవి కావని, బాల్యం నుంచే వాటిని తల్లిదండ్రులు నేర్చాలని, పిల్లల్ని సరిగ్గా నీతిమార్గంలో పెంచుతున్నామా, లేదా అని తల్లిదండ్రులు ప్రశ్నించుకోవాలనీ సూచించారు. సాంకేతిక పురోగతితో ఒత్తిడి, అసంతృప్తి వెంటాడుతున్నాయన్నారు. ప్రస్తుతం సమాజంలో సత్యం, ధర్మం, ప్రేమ, అహింసలను పాటించకపోవడమే సమస్యలకు కారణమన్నారు.

ఆంధ్ర రాష్ట్ర సమాచారం

- ★ భారతదేశంలో భాషా ఆధారితంగా ఏర్పడిన మొదటి రాష్ట్రం
- ఆంధ్రప్రదేశ్
- ★ ఆంధ్రప్రదేశ్ తీర్చేఖ పొడవు సుమారు ఎన్ని కిలోమీటర్లు?
- 974 కి.మీ.
- ★ ఆంధ్రప్రదేశ్ నుండి పార్లమెంట్కు వెళ్లే (ఎంపికయిన, ఎన్నికైన) మొత్తం సభ్యులు ఎంత మంది ?
- 60
- ★ ఆంధ్రప్రదేశ్కు మొదటి గవర్నర్గా పనిచేసినది ఎవరు?
- సి.ఎమ్.త్రివేది (1953-1957)
- ★ ఆంధ్రప్రదేశ్లో ఎన్ని రకాల వ్యవసాయ శీతోష్ణస్థితి మండలాలు ఉన్నాయి ?
- ఏడురకాలు
- ★ ఆంధ్రప్రదేశ్లో ఎక్కువ శాతంలో విస్తరించిన నేలలు ఏవి ?
- ఎఱ నేలలు (66%)
- ★ భారతదేశంలో ఎక్కువ సినిమా థియేటర్లు గల రాష్ట్రం
- ఆంధ్రప్రదేశ్
- ★ నీలం సంజీవరెడ్డి సాగర్ అని ఏ జల విద్యుత్ ప్రాజెక్టును పిలుస్తారు?
- శ్రీశైలం జల విద్యుత్ ప్రాజెక్టు
- ★ అలీసాగర్ జింకల పార్చు ఏ జిల్లాలో కలదు?
- నిజమాబాద్ (1931లో నిజాం రాజు ఏర్పాటు చేశారు)
- ★ ఆంధ్రప్రదేశ్లో ఇందిరాగాంధీ జూలాజికల్ పార్చు ఎక్కుడ కలదు?
- విశాఖపట్టణం
- ★ పాపికొండ వన్యమృగ సంరక్షణ కేంద్రం ఎన్ని జిల్లల్లో విస్తరించి ఉంది ?
- 3 జిల్లలు (తూగోల్ల, పాగోల్ల, ఖమ్మం జిల్లలు)
- ★ కృష్ణాతీరంలో నాగార్జున సాగర్ మరియు శ్రీశైలం ప్రాజెక్టులకు మధ్య వ్యాపించిన దట్టమైన అడవులలో నెలకొన్న వన్యమృగ సంరక్షణ కేంద్రంకు ఏ నాయకుని పేరు పెట్టారు? - రాజీవ్‌గాంధీ
- ★ కర్నూలు నగరానికి 60 కి.మీ. దూరంలో నందికొట్టారు వద్ద గల రోళ్ళపాడు పక్కి సంరక్షణ కేంద్రంలో రక్కించబడుతున్న పక్కి జాతి పేరు ఏది ?
- బట్ట మేకల పక్కి
- ★ కులీ కుతుబ్ షా గోల్గౌండ కోటును ఏ సంవత్సరంలో నిర్మించేశాడు ?
- క్రి.శ. 1525
- ★ కుతుబ్‌షాహి రాజ్యానికి రాజధానిగా ఉన్న గోల్గౌండ కోట ఏ వర్తకానికి ప్రసిద్ధి గాంచి ఉండేది ?
- వజ్రాలు
- ★ మక్కా మసీదు నిర్మాణం ఏ రాజుచే పూర్తి కావించబడింది ?
- జిరంగజెబు (1687లో)
- ★ భువనగరి (నల్గౌండ జిల్లా) కోటును నిర్మించినది ఎవరు ?
- కళ్యాణి చాళుక్య వంశానికి చెందిన శ్రిభువన మల్ల విక్రమాదిత్య
- ★ దక్కించ కాలీగా ప్రసిద్ధి గాంచిన ఆంధ్రప్రదేశ్లోని పుణ్యక్షేత్రం ఏది ?
- ద్రాక్షారామం

- ★ ద్రాక్షారామంలో ప్రసిద్ధి గాంచిన దేవుడు ఎవరు? - భీమేశ్వరుడు
- ★ శ్రీకాకుళం జిల్లా పేరుతోపాటు శ్రీకాకుళం అనే పట్టణం కూడా ఉంది. అయితే ఆ పట్టణం ఏ జిల్లలో కలదు? - కృష్ణాజిల్లా
- ★ లేపాక్షి దేవాలయంలో గల ప్రసిద్ధ దేవుడు ? - వీరభద్రస్వామి
- ★ గుంటుపల్లి ఏ మతస్థుల చారిత్రక ప్రదేశం ? - బొధ్ధమతం
- ★ ఆంధ్రదేశం చారిత్రక ఆనవాళ్ళు ఎప్పటి నుండి మనకు లభ్యమవుతున్నాయి? - క్రీ.పా. 236
- ★ ఆంధ్రప్రదేశ్ అక్షరాస్యత శాతం - 61.11
- ★ ఆంధ్రప్రదేశ్ రాష్ట్ర శాస్త్రీయ స్వత్యం - కూచిపూడి

జాలీయ వార్తలు

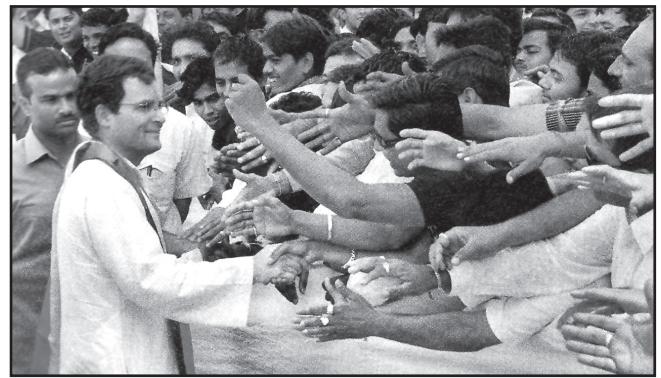
అక్షోబర్ : 1 - నూతన ప్రధాన సమాచార కమిషనర్ (సీఐఎస్) గా సీనియర్ ఐవెన్ అధికారి అనుగ్రహ నారాయణ్ తివారీ ప్రమాణ స్వీకారం చేశారు.

అక్షోబర్ : 2 - సీఆర్పిఎఫ్ నూతన చీఫ్గా కె.విజయ్ కుమార్ నియమితులయ్యారు.

అక్షోబర్ : 3 - దేశరాజధాని ధిల్లీలోని జవహర్లాల్ నెప్రూస్ ప్రైస్ డియంలో 19వ కామన్స్వెల్ట క్రీడలు ప్రారంభమయ్యాయి. రాష్ట్రపతి ప్రతిభా పాటిల్, బ్రిటిష్ యువరాజు చార్లెస్, ప్రధాని మన్సోహన్ సింగ్, మాజీ రాష్ట్రపతి అబ్బల్ కలామ్, కాంగ్రెస్ అద్యక్షరూలు సోనియాగాంధీ, కామన్స్వెల్ట గెమ్స్ సమాఖ్య కైరూన్ మైక్ ఫెన్స్, నిర్వహక కమిటీ అద్యక్షుడు సురేష్ కల్యాణ్ తదితరులు ఈ కార్యక్రమానికి హజరయ్యారు.

అక్షోబర్ : 5 - సుట్రీంకోర్టు, హైకోర్టుల న్యాయమూర్తుల జవాబుదారీకి సంబంధించిన న్యాయ ప్రమాణాలు, జవాబుదారీ బిల్లు-2010కి కేంద్రమంత్రివర్ధం ఆమోదం తెలిపింది. ఇకనుంచి తప్పుచేసే న్యాయ మూర్తులను విచారించి వారికి ఉద్ఘాసన పలికేలా ఉన్నతస్థాయి కమిటీని ఏర్పాటు చేసేందుకు ఈ బిల్లు వీలు కల్పిస్తుంది. అంతే కాకుండా ఇదిలమల్కీ వస్తే న్యాయమూర్తులు ఆస్తులనూ వెల్లడించాల్సి ఉంటుంది.

రాహుల్ సభలకు భారీగా యువత



యువతను ఆకర్షించేందుకు రాహుల్ దేశవ్యాప్తంగా కాలేజీలు, సూక్ష్మ వెంబడి తిరుగుతున్నారు. ఆయన సభలకు యువత భారీగా వస్తోంది.

भारतीय समता हिन्दी प्रचार परिषद्



समता हिन्दी प्रचार विभाग

Central Office : Gunadala, VIJAYAWADA - 520 004.

(Regd. by the Govt. of India)

NATIONAL HINDI TEST 20..... NOMINAL ROLL LIST

V	VI	VII	VIII	IX	X	Total

Name of the School & Complete Address

Name of the Hindi Teacher Place Dist.

BHARATIYA SAMATA HINDI PRACHAR PARISHAD



कार्यनिर्वाहक आवेदन पत्र
SAMATA HINDI PRACHAR VIBHAG

Photo

(Regd. by the Govt. of India)

Central Office Buildings, Opp. Boarding, Gunadala, VIJAYAWADA-520 004.

Ph : (0866) 2451611, 2440112 Mobile : 09848352011. e-mail : samatahindi@yahoo.com

P.H. Convenor Regd. No. :

Mandal Convenor Regd. No. :

PLEASE FILL IN THE APPLICATION FORM COMPLETE IN BLOCK LETTERS

Hindi Teacher's Name _____ Date of Birth _____

Name (Father/Spouse) Mr./Mrs. _____

School Name _____

School Address _____ School Ph. No. _____

Hindi Teacher House Address _____ Pin : _____

Names of the Children of Hindi Teacher _____ 2. Date of Birth : _____ Class : _____

1. _____

2. _____

Teacher Ph.No. (Res) _____

Regd. for the Month _____ Date _____

Hindi Teacher Signature _____

भारतीय समता हिन्दी प्रचार परिषद् विजयवाडा - 4.

SAMATA HINDI PRACHAR VIBHAG

(Registered by the Govt. of India, Regd. Act No. 389 of 1994)

Central Office Buildings, Gunadala, VIJAYAWADA - 520 004.

Phone : 0866 - 2451611

ORDER FORM

ESTD : 1989

Sir,

We request to supply the following books for our school students (NHT) an amount (Exam fee) of Rs.
(Rs.) D.D. No. in favour of "SAMATA HINDI PRACHAR VIBHAG" Andhra Bank, Gundadala, Vijayawada Branch is here with enclosed.

1. V Class	_____
2. VI Class	_____
3. VII Class	_____
4. VIII Class	_____
5. IX Class	_____
6. X Class	_____
Total	_____

NAME OF THE SCHOOL ADDRESS :

Please fill the complete addresses of your area schools and approximate strength to Distribution of Hindi Books free of cost to the students.

SCHOOL NAME	_____				
ADDRESS	_____				
_____	PIN <input type="text"/>				
TEL.	_____				
5th-	6th-	7th-	8th-	9th-	10th-

SCHOOL NAME	_____				
ADDRESS	_____				
_____	PIN <input type="text"/>				
TEL.	_____				
5th-	6th-	7th-	8th-	9th-	10th-